वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 161 | शुक्रवार 3 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने सहकार सदस्यता अभियान का किया शुभारम्भ

देश सहकार से समृद्धि की लिख रहा नई कहानी: भजनलाल शर्मा

सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य। सहकार सदस्यता अभियान में महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ा जाएगा

15 अक्टूबर तक प्रदेश में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रयासों से देश सहकार से समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार सहकारिता की शक्ति से प्रदेश की प्रगति को नया आयाम प्रदान कर रही है। इसी दिशा में 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सहकारिता से जोड़ने के लिए सहकार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से महिलाओं एवं युवाओं को जोड़ा जाएगा। शर्मा गुरुवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में सहकार सदस्यता अभियान के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लगभग 8 हजार 300 पैक्स स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान में 5 विभागीय गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पैक्स विहीन 2 हजार 158 ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स एवं जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के पास गोदाम बनाने के लिए भूमि नहीं है, उन्हें भूमि आवंटन का कार्य भी किया जाएगा। हमारी सरकार सहकारिता से जुड़ने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दलहन, मसालों आदि को भी इससे जोड़ने का प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता में सभी व्यक्ति सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिलकर काम करते हैं। यह गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। सहकारिता के माध्यम से राजस्थान का गांव-गांव और जन-जन सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने लगभग 77 लाख से अधिक किसानों को 42 हजार 765 करोड़ रुपये के अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण, 2 लाख 48 हजार नए कृषकों को 433 करोड़ रुपये के फसली ऋण, 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को 260 करोड़ रुपये के आजीविका ऋण वितरित किए है। साथ ही, अन्न भंडारण योजना के तहत श्रीगंगानगर जिले के घमूड़वाली पैक्स में गोदाम, प्रसंस्करण यूनिट और कस्टम हायरिंग केंद्र शुरू किए हैं। इसी तरह, सहकारी बैंको द्वारा करीब 7 हजार किसानों तथा लघु उद्यमियों को 246 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन ऋण भी वितरित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकार से समृद्धि के मंत्र को धरातल पर उतारने के लिए अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी, मत्स्य, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी संस्थाओं और सहकारी शासन प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए 100 से अधिक पहलें की हैं। पैक्स को राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर नेटवर्क के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता को बनाया विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर इसे देश के विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनाया। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा किसानों को 6 हजार रुपये हर साल दिए जाते हैं। प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक 7 हजार 54 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अतिरिक्त 3 हजार रुपये प्रतिवर्ष सम्मान राशि दे रही है। इसके तहत किसानों को अब तक 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है।

स्वच्छता अभियान के तहत खुले में शौच से मुक्ति बड़ी उपलब्धि: बागडे

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत खुले में शौच से मुक्ति बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वह राज्य के सभी जिलों में गए हैं। यह जानकर बहुत सुखद लगा कि गांव गांव, ढाणी ढाणी में शौचालय बने हैं। उन्होंने शहर और गांव में कचरा निस्तारण के लिए भी सभी को मिलकर प्रभावी व्यवस्था किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे गुरुवार को स्वच्छ भारत दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छोत्सव समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले जिले के अधिकारी,

कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने स्वायत्त शासन की दो पुस्तकों का लोकार्पण किया और सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि शुद्ध हवा रखना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने सभी को स्वच्छता के लिए कार्य करने पर जोर देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, कार्यालयों की सीढ़ियों की दीवारों पर पीक छोड़ने, केला खाकर छिलके सड़क पर फेंकने आदि की बुरी आदतों को छोड़ने और छुड़वाने के संस्कार विकसित किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता के लिए अच्छी आदतों को अपनाने पर जोर दिया। गंदगी दूर करने के लिए मिलकर कार्य की आवश्यकता जताई। बागडे ने बप्पा रावल को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अरबों को भारत से खदेड़ा ही नहीं ऐसा सबक सिखाया कि बाद में डेढ़ सौ वर्षों तक देश में उनके आने की हिम्मत नहीं पड़ी।

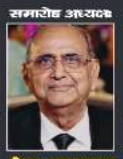

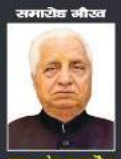

आकर्षक बम्पर हाऊजी
JSG Jain Social Groups
ISO 20121:2012
जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
भगवान महावीर की 1008 दीपकों से महाआरती
डांडिया पुरस्कार
23वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव डांडिया 2025
रविवार, 5 अक्टूबर 2025, सायं 4 से 10 बजे
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
डीजे डांडिया धमाल
लक्की ड्रा
NO PLASTIC FOOD ZONE
Entry from Pass only
Kasera KIDS Fashion Show
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
उद्घाटनकर्ता
श्री जतिन मोठूरा
जेकेजे ज्वैलर्स
मुख्य अतिथि
श्री प्रमोद पहाड़िया
एआरएल ग्रुप
समारोह अध्यक्ष
श्री ज्ञान कुमार पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी
समारोह गौरव
एड. रमेश चन्द जैन
प्रमुख समाज सेवी
-: विशिष्ट अतिथि :-
फैशन शो अतिथि
श्री महावीर जैन
श्री कुलदीप दिल्लो
प्रमुख समाज सेवी
दीप प्रज्वलनकर्ता
श्री दीपक जैन
डांडिया रिंग उद्घाटनकर्ता
श्री नरेश यादव
चार्ट ग्रुप
सम्मानीय अतिथि
श्री उमरावमल संघी
प्रमुख समाज सेवी
प्रमुख समाज सेवी
दीप प्रज्वलनकर्ता
श्री सुनील जैन पहाड़िया
वर्धमान ग्रुप
डांडिया संयोजक -
महावीर-सुनीता कसेरा, अमिता-राजकुमार जैन
सह-संयोजक -
हेमन्त-श्वेता बड़जात्या, प्रशान्त-रीना पाण्ड्या, अतीव-दीपिका जैन
मुख्य संयोजक:
संजय-सपना छाबड़ा (आंवा)
फैशन शो संयोजक-
विनीत-सोनिका जैन, सुनील-मीनाक्षी जैन
फैशन शो सह-संयोजक-
सन्दीप-कविता जैन, संजय-मेनका जैन
अवधेश-मीनू जैन
JSGIF NORTHERN REGION
Executive Committee
Chairman
Rajeev Patni
Secretary
Ravindra Bilala
Elect Chairman
Subhash Kr. Baj
Imm. For. Chairman & ID
Mahendra Singhvi
Vice Chairman
Dr. Rajeev Jain
Sudhir Gangwal
Anand Prakash Mehta
Joint Secretary
Manish Soni
Pukhraj Dangi
Treasurer
Tarun Jain
P.R.O. (Greetings)
Prem Singhvi
P.R.O. (Admin.)
Virendra Gadiya
P.R.O. (Membership Growth): Sunil Pahariya
JSGIF LEADERS FROM NORTHERN REGION
Er. Rakesh Kr. Jain, Kamal Sachetee
Mahendra Girdharwal, Abhay Kotecha
Sanjay Pandya, Rajendra Dhabaria
Mahendra Singhvi, Ajay Kumar Jain
Rajeev Patni
सहयोगी संस्थाएं: राजस्थान जैन युवा महासभा, जेएसजी जनक, राजधानी, हवामहल, सिद्धा, हैरिटेज, अर्हम, अरिहन्त, कीर्ति, डीजेएसजी नवकार, सन्मति, टीम जयपुर ज्वैल्स, जैन कनेक्ट
JAIN SOCIAL GROUP MAHANAGAR EXECUTIVE COMMITTEE
President
Sushil-Sarita Kasliwal
93145-01975
Founder President
Pradeep-Nisha Jain
Imm. Former President
Sanjay-Sapna Chhabra
83869-88088
Former President
Siddharth-Chanchal Pandya
94140-63303
Former President
Ravi Prakash-Namita Jain
94140-74872
Former President
Former President
Rajeev-Anju Jain
Former President
Deepesh-Alka Jain
Vice President
Sunil-Anita Gangwal
Joint Secretary
Pankaj-Vineeta Jain
Treasurer
Swati-Narendra Jain
Secretary
Vineet-Monika Jain
98298-33777
Coordinator
Mahaveer-Sunita Kasera
Greetings Committee Chairperson
Vinit Sonika Jain
EXECUTIVE MEMBERS
Ajay-Mona Jain
Amita-Rajkumar Jain
Anuj-Kirti Jain
Manoj-Swati Gangwal
Pawan-Manisha Jain
Pramod-Bharti Gangwal
Pramod-Preeti Jain
Sneha-Pankaj Jain
Sudhir-Heeramani Soni
Sunil-Meenakshi Jain
Sunil-Sunita Godha
Surendra-Sarita Patni
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
जतिन जी
प्रायोजक
ARL Infratech Ltd.
cityvibes
FINANCEOPEDIA
NAVYUKT BHARAT
CHART GROUP
VANSHDEEP GROUP
Sage Holidays
The Foto Gallery
YASH KIRTI
फैशन शो प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
हाऊजी प्रायोजक
SARASWATI DHAAM

जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
JSG
ISO 20121:2012
भगवान महावीर की 1008 दीपकों से महाआरती
आकर्षक बम्पर हाऊजी
डांडिया पुरस्कार
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
23वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव डांडिया 2025
रविवार,
5 अक्टूबर 2025,
सायं 4 से 10 बजे
डीजे डांडिया धमाल
लक्की ड्रा
Entry from Pass only
Kasera KIDS Fashion Show
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL
CHART GROUP
cityvibes
Sagi
FINANCEOPEDIA
The Foto Gallery
फैशन शो प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
हाऊजी प्रायोजक
SARASWATI DHAAM
सहयोगी संस्थाऐं: राजस्थान जैन युवा महासभा, जेएसजी जनक, राजधानी, हवामहल, सिद्धा, हैरिटेज, अर्हम, अरिहन्त, कीर्ति, डीजेएसजी नवकार, सन्मति, टीम जयपुर ज्वैल्स, जैन कनेक्ट

JKJ
JEWELLERS
Satyanarayan Mosun
Since 1868
IGI
उत्सव के रंग
JKJ के संग
सही कीमत
खरा सोना
उत्तम डिजाइन
JKJ JEWELLERS
सिर्फ स्वर्णाभूषण ही नहीं विश्वास भी गढ़ते हैं हम!
M.I. Road 9001208888
Mansarovar 9001207777
Vidhyadhar Nagar 9001636666
Jagatpura 90018 35555
jewelsbyjkj@gmail.com
www.jkjjewellers.com
jkjjewellersofficial

वेद ज्ञान

भगवान की भक्ति से खुलता है मुक्ति का द्वार...

सर्ग, विसर्ग, स्थान, पोषण, ऊति, मन्वंतर, ईशनुकथा, निरोध, मुक्ति और आश्रय। ये केवल विषय नहीं, अपितु मानव जीवन को परमात्मा की ओर उन्मुख करने वाले सोपान हैं। हम स्वयं को परम सत्ता की अद्भुत सृष्टि का एक अभिन्न अंग मानें। हमारा अस्तित्व एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से प्रेरित है। हमारा आचार, विचार और व्यवहार लोकोपकारी और निष्काम हो, जिससे हम इस विराट सृष्टि के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभा सकें। जैसे एक नन्हा बीज भी विशाल वृक्ष का आधार बन सकता है, वैसे ही हमारा एक नेक कर्म भी पूरे समाज को पोषित कर सकता है। जीवन की विविधता हमें सिखाती है कि विषमता में भी समता और कटुता में भी मधुरता का अनुभव किया जा सकता है। यह सृष्टि अपनी विविधता से परिपूर्ण है, फिर भी एक ही सूत्र में बंधी है। हमें भी जीवन में भिन्नता को स्वीकार कर, उसमें अभिन्नता और प्रेम खोजना चाहिए। जब स्वार्थ और अहंकार के वशीभूत होकर हम अन्याय-अनीति करते हैं, तो यह संपूर्ण व्यवस्था डगमगा जाती है। जीवन में संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखना अनिवार्य है। यह तथ्य सदैव स्मरण रखना चाहिए कि जो समाज हम देते हैं, वही हमें वापस मिलता है। हमारा प्रत्येक कार्य, प्रत्येक विचार, एक प्रतिध्वनि है, जो हमारे पास लौटकर आती है। सहानुभूति और करुणा मानव मूल्यों के मूल हैं। हमें भी दूसरों का सहारा बनना चाहिए। जिस प्रकार एक नदी अपनी धारा से जीवन देती है, उसी प्रकार हमें अपनी करुणा से दूसरों के जीवन को गति और मति देनी चाहिए। संकट में पड़े व्यक्ति की मदद करना, उसके जीवन को पोषण देना, यही सच्चा मानवीय धर्म है। वासनाएं पिछले जन्मों से अर्जित प्रवृत्तियां हैं, जो वर्तमान जीवन में व्यवहार को प्रभावित करती हैं। कर्म वे कार्य हैं जो प्राणी अपनी वासनाओं के अनुसार करते हैं। ये कर्म अच्छे या खराब हो सकते हैं और उनके परिणाम भी उसी के अनुसार होते हैं। कर्म के परिणामस्वरूप, प्राणी को सुख-दुख का अनुभव होता है। वासनाओं के कारण वे जन्म-मरण के चक्र में फंसे रहते हैं, लेकिन जब यह संकल्प (ऊति) धर्म और भक्ति की ओर मुड़ता है, तो मुक्ति का द्वार खोलता है। कर्म और वासनाओं का जटिल जाल जीव को संसार में बांधता है, लेकिन जब हम अपनी ऊति को मोह-वासनाओं और अहंकार से हटाकर ईश्वर की ओर लगाते हैं, तो यह मुक्ति का मार्ग बन जाता है।

संपादकीय

केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा

हाल ही में मोदी सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में की गई बढ़ोतरी एक स्वागतयोग्य और दूरदर्शी कदम है। यह निर्णय न केवल सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि उसकी आर्थिक दूरदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है जब वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाला है। ऐसे में सरकार द्वारा डीए में वृद्धि करना लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है। महंगाई भत्ता मूल रूप से कर्मचारियों को महंगाई के प्रभाव से बचाने के लिए दिया जाता है, और इसकी गणना उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है। मोदी सरकार ने इसे केवल एक आंकड़ा नहीं माना, बल्कि इसे कर्मचारियों के जीवन स्तर से जोड़कर देखा है। इस बार डीए में जो 4% की वृद्धि की गई है, वह अब कुल 50% तक पहुंच चुका है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह स्तर आठवें वेतन आयोग के गठन और भविष्य के वेतन ढांचे को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर कर्मचारियों की क्रय शक्ति पर पड़ेगा। उनकी बढ़ी हुई आय से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपभोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। यह एक ऐसा चक्र है जहाँ सरकारी खर्च सीधे जनता की आय बनकर बाजार को मजबूती देता है। मोदी सरकार ने हमेशा ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'' के सिद्धांत को अपनाया है और यह फैसला उसी नीति की एक झलक प्रस्तुत करता है। लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीधे लाभ देकर सरकार ने यह सिद्ध किया है कि वह केवल नीतियाँ बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर उनके सकारात्मक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध भी है। यह कदम उस भरोसे को और मजबूत करता है जो जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पर जताया है। डीए में बढ़ोतरी से न केवल कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि यह निजी क्षेत्र के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है कि वह भी अपने कर्मचारियों की भलाई पर ध्यान दे। इससे श्रमिक संतोष बढ़ेगा और राष्ट्रीय स्तर पर उत्पादकता में सुधार होगा। यह निर्णय कर्मचारियों के मनोबल को ऊंचा करने का भी कार्य करेगा, जो विशेष रूप से उन विभागों में महत्वपूर्ण है जहां कर्मचारी राष्ट्र निर्माण में दिन-रात कार्यरत हैं, जैसे कि रक्षा, रेल, डाक, शिक्षा आदि। एक संतुष्ट और प्रेरित कार्यबल किसी भी देश की प्रगति के लिए आवश्यक होता है। वित्तीय अनुशासन के साथ सामाजिक न्याय को संतुलित करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता, लेकिन मोदी सरकार ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह न केवल बड़े आर्थिक फैसले ले सकती है, बल्कि जनता के छोटे-बड़े हितों का भी ध्यान रखती है। महामारी के बाद देश की अर्थव्यवस्था को संभालते हुए सरकार ने जिस संतुलन से ये निर्णय लिया है, वह सराहनीय है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

डबल बोझ

हरियाणा में शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी में कपल केस अंक हटाने का निर्णय नौकरीपेशा महिलाओं के लिए गंभीर चुनौती है। समाज में महिलाओं से अपेक्षित आदर्श पत्नी और आदर्श बहू की भूमिका उन्हें घर और ऑफिस दोनों में बराबरी का बोझ उठाने पर मजबूर करती है। पुरुष कर्मचारी अक्सर केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं, जबकि महिलाएं घर का खाना बनाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल और ऑफिस-सभी जिम्मेदारियां निभाती हैं। यह नीतिगत बदलाव महिलाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है और सशक्तिकरण के दावे को कमजोर करता है... समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके सशक्तिकरण को लेकर आज भी अनेक चुनौतियां हैं। विशेषकर नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह चुनौती और भी गहरी है क्योंकि उन्हें घर और कार्यस्थल-दोनों स्थानों पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है। हरियाणा में हाल ही में शिक्षक स्थानांतरण नीति में किए गए बदलाव-जिनमें कपल केस के अंक हटाने की सिफारिश शामिल है-ने इस मुद्दे को फिर से उजागर कर दिया है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं है, बल्कि महिलाओं के जीवन और उनके पारिवारिक संतुलन पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। हरियाणा के शिक्षा विभाग की स्थानांतरण नीति 2016 से विकसित होती रही है। इस नीति के तहत यदि एक ही परिवार में पति और पत्नी दोनों शिक्षक हों, तो उन्हें कपल केस अंक (प्राथमिकता अंक) दिए जाते थे। इसका उद्देश्य था कि दोनों पति-पत्नी एक ही जिले या नजदीकी स्थान पर पदस्थापित हो सकें, ताकि पारिवारिक संतुलन बना रहे और महिलाओं को नौकरी के साथ परिवार संभालने में सुविधा मिले। इस प्रकार की प्राथमिकता न केवल महिलाओं के लिए लाभकारी थी, बल्कि यह पूरे परिवार के जीवन, बच्चों की पढ़ाई, पारिवारिक जिम्मेदारियों और मानसिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण थी। 2016 के बाद इस नीति में कुछ मामूली बदलाव हुए, लेकिन कपल केस अंक बने रहे। 2023 के ड्राफ्ट स्थानांतरण नीति में अब इन अंक को हटाने की सिफारिश की गई है। इसका अर्थ है कि पति-पत्नी दोनों शिक्षक होने पर अब उन्हें पहले जैसी प्राथमिकता नहीं मिलेगी। इस बदलाव का प्रभाव सीधे महिला शिक्षिकाओं पर पड़ता है। उन्हें अब परिवार और नौकरी के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक जीवन प्रभावित हो सकता है, क्योंकि पति-पत्नी अलग-अलग स्थानों पर नियुक्त हो सकते हैं। शिक्षक समुदाय में असंतोष और विरोध बढ़ सकता है। शिक्षक संघों और सामाजिक संगठनों ने इसे पारिवारिक और लैंगिक दृष्टिकोण से आलोचना की है। उनका कहना है कि यह निर्णय महिलाओं के हितों के विरुद्ध और परिवार विरोधी कदम है। डबल बर्डन एक सामाजिक अवधारणा है, जिसका अर्थ है कि महिला को घर और नौकरी-दोनों जगह अपने कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है, जबकि पुरुष केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं। यह असमानता आज भी भारतीय समाज में गहराई से मौजूद है। एक उदाहरण देखें। एक नौकरीपेशा पुरुष के लिए घर से भोजन ले जाना सामान्य बात है, और उसके घर के अन्य कामों का बोझ कम होता है। वहीं नौकरीपेशा महिला को घर का खाना बनाना, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सहायता, घर की सफाई-सभी जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी नौकरी भी निभानी पड़ती है। इस असमानता के कारण महिला पर मानसिक, शारीरिक और सामाजिक दबाव बढ़ जाता है। जब स्थानांतरण नीति जैसी सरकारी नीतियां भी इस असमानता को नजरअंदाज करती हैं, तो यह सशक्तिकरण के दावों को कमजोर कर देती है।

संघ का यह शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि समर्पण, सेवा और संस्कार से परिपूर्ण एक प्रेरणा पर्व है : अंतर्मना प्रसन्नसागर महाराज

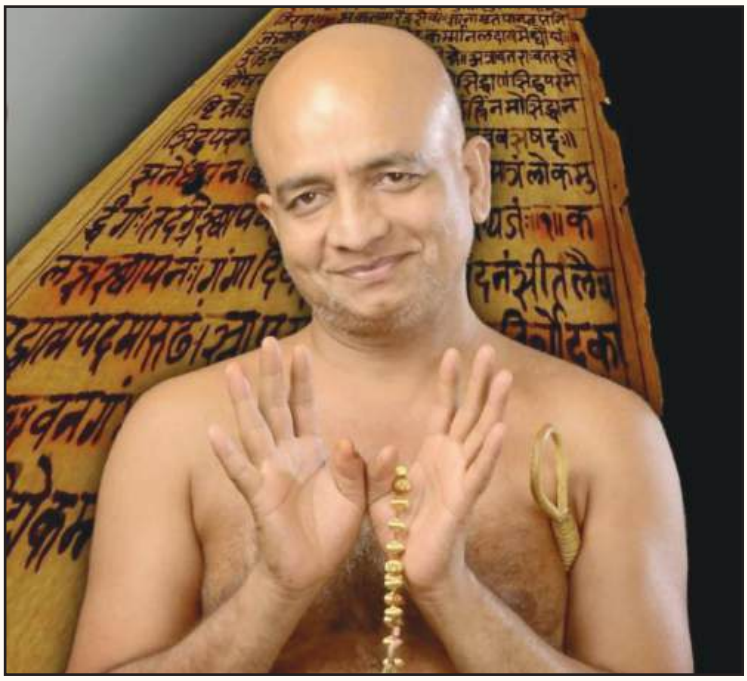

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर अनन्त शुभसंशाओ सहित आशीर्वाद संघ की नींव, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विक्रम संवत 1982 को विजय दशमी को नागपुर महाराष्ट्र में रखी। डॉ. के जन्म से ही देश भक्ति, और राष्ट्र सेवा रोम रोम में बसी थी। स्वाधीनता आन्दोलन के सभी प्रयासों में, वे सक्रीयता के साथ महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते थे। कोलकाता में मेडिकल की शिक्षा के समय अनुशीलन समिति के सदस्य के रूप में सक्रीय थे। 1921 में अंग्रेज सरकार ने राज द्रोह का मुकदमा चलाया और एक वर्ष के लिए कारावास में उन्हें रख दिया गया। 1930 में नमक सत्याग्रह करके जेल गये, जिसमें उन्हें नौ महिने वहीं गुजारने पड़े। डा.केशव बलिराम हेडगेवार जी का उद्देश्य हिन्दू एवं हिन्दुस्तान को वसुधैव कुटुम्बकम एवं सभी देश वासियों को संगठित करके भारत को परम वैभव शाली राष्ट्र बनाना। वैसे भी डॉ. केशव जी - गुणानुरागी, आत्म निष्ठ त्यागी, चरित्रवान, अनुशासन प्रिय, देश भक्ति से ओतप्रोत, समर्पित, समझदार, कुशलतापूर्वक कार्य को सुव्यवस्थित करने वाले अच्छे कार्यकर्ता थे। उनकी नीति का अनुसरण-अनुकरण का आचमन करते हुये मोहन जी भागवत संघ को अपनी सूझबूझ के साथ निरंतर वर्धमान कर रहे हैं। सौ वर्ष की यात्रा में संघ ने अपने श्रेष्ठ अधिष्ठान, उत्तमोतम कार्य पद्धति और स्वयंसेवकों के निस्वार्थ सेवा, समर्पण एवं देश भक्ति से भरे समरसता युक्त आचरण के कारण घर परिवार समाज और देश का विश्वास जीतने में सफल हुआ। संघ की प्रेरणा से आज देश में अनेक शाखाएं सेवा रत है, जैसे - विधार्थी परिषद, विद्या भारतीय, भारतीय मजदूर संघ, भारती किसान संघ, वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, संस्कार भारती, लघु उद्योग भारती, स्वदेशी जागरण मन्च, प्रज्ञा प्रवाह जैसे 32 से अधिक संगठन समाज जीवन में सक्रियता के साथ अपने अपने क्षेत्र में प्रभावी भी है। यह सभी संगठन स्वायत्त, स्वतंत्र और स्वावलंबी है। स्वयंसेवक संघ अपनी योग्यतानुसार सामाजिक समस्याओं व चुनौतीयों का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर तैयार रहती है। स्वयंसेवक संघ से अन्तर्मन से अन्तर्मना आपके चिन्तन मन्थन के लिए निवेदन करना चाहते हैं...

[1] भारतीय संस्कृति का कुठाराघात ना हो।
[2] सामाजिक समरसता एवं भाई चारा जीवन्त रहे।
[3] भारतीय नागरिक स्वदेशी को अपनाये।
[4] पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन हो।
[5] वसुधैव कुटुम्बकम का प्रबोधन हो।
[6] स्वा आधारित जीवन जीये।
[7] भारतीय नागरिक कार्य और कर्त्तव्य निष्ठ हो।
[8] योग प्राणायाम का प्रशिक्षण घर घर, नगर नगर हो।
[9] भारतीय व्यक्ति स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन के लिए हर मास एक उपास करे।

इन सूत्रों पर आप प्रयास कर सकते हैं।

संघ का यह शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि समर्पण, सेवा और संस्कार से परिपूर्ण एक प्रेरणा पर्व है। यह हम सभी को संकल्प दिलाता है कि हम भारत को परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाएं... !!!

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

देश में पहली बार होगा 51 फिट ऊंचे गोकाष्ट रावण का दहन

देंगे पर्यावरण संरक्षण का संदेश, एक लाख से अधिक लोगों की रहेगी उपस्थिति, बुधवार को निकली विजय उत्सव रैली हुआ कवि सम्मेलन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रतापनगर विकास समिति के तत्वावधान में प्रतापनगर में आयोजित दो दिवसीय दशहरा मेले में गुरुवार, 2 अक्टूबर को सायंकाल 51 फीट ऊचां रावण खून के आंसू रोएगा। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि गुरुवार को देश में पहली बार 51 फीट ऊचां गो काष्ठ /गोमय समिधा से बना हुआ रावण का दहन किया जाएगा। इसका निर्माण गौ सेवा समिति द्वारा विशेष रुप से करवाया गया है। इस बार मेले के माध्यम से 3 वर्ल्ड रिकार्ड भी बनाए जाएंगे। सायंकाल 6 बजे से मेले में रंगारंग ऑर्केस्ट्रा, झूले, खानपान की स्टाल से लोगों का मनोरंजन होगा। इस मौके पर एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने का अंदाज है। मेले में माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी कमल सचेती करेगें। सन्तोष खण्डेलवाल कामां वाले अतिथि होगें। विशिष्ट अतिथि के रूप में शांति कुमार - ममता सोगानी जापान वाले होगें। समारोह का दीप प्रज्जवलन युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वाले करेगें। गौरवमयी अतिथि के रूप में राकेश जैन टंकी वाले, सुनील जैन मंगल विहार, यूथ आईकोन अतुल मंगल, विकास अग्रवाल प्रतापनगर होंगे। अन्य कई मंत्रियों सांसदों एवं विधायकों की गरिमामय उपस्थिति भी रहेगी। इस मौके पर प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल जैन बनेठा एवं गायक राजीव विजयवर्गीय को विकास समिति की ओर से विशेष उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विकास समिति के महासचिव ओम प्रकाश बाहेती ने बताया कि इससे पूर्व मेले के तहत बुधवार को सायंकाल 4 बजे विजय उत्सव रैली निकाली गई। प्रमुख रास्तों से निकाली गई इस रैली में भगवा ध्वज लहराते हुए पचास से अधिक चौपहिया वाहन एवं दुपहिया वाहन शामिल हुए। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सायंकाल 7 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें प्रमुख कवि अब्दुल अय्यूब, गिरिराज अमेठा, शहनाज हिन्दुस्तानी, कुशल कुशलेंद्र, मोहन सिंह, सुश्री मीनू शर्मा, प्रहलाद चांडक एवं महेश डागर ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं का समसामयिक विषयों पर काव्य पाठ कर मनोरंजन किया एवं युवाओं को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया। कवि सम्मेलन के संयोजक गुलाब कौरानी एवं सह संयोजक मनोज खण्डेलवाल ने बताया कि वीर रस, श्रृंगार रस, हास्य रस एवं गजलों की प्रस्तुति कवियों द्वारा की गई। कवियों की ऑपरेशन सिंदूर पर सुनाई गई कविता ने श्रोताओं को जोश से भर दिया। कवि सम्मेलन में हजारों लोग सम्मिलित हुए। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवी प्रमोद पहाडियाँ समारोह अध्यक्ष थे। युवा समाजसेवी मोहित राणा मुख्य अतिथि थे। समाजसेवी अमित गोधा विशिष्ट अतिथि थे। समारोह का दीप प्रज्जवलन विप्र फाऊंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष कर्नल राजेश शर्मा ने किया । समाजसेवी लाल चन्द कठमाणा, विवेक सेठी, दीपक जैन, प्रवीण बडजात्या, अरुण जैन, अनुराग सारडा गौरवमयी अतिथि तथा राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, श्योपुर जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी, समाजसेवी देवेन्द्र बाकलीवाल सम्माननीय अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चेतन जैन निमोडिया: मुख्य संयोजक-दशहरा मेला

शरद पूर्णिमा पर गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री 105 ज्ञानमती माताजी का 92वां अवतरण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

शरद पूर्णिमा के पूर्ण चंद्रमा जैसी सौम्य आभा की धनी गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री १०५ ज्ञानमती माताजी का 92वाँ अवतरण दिवस 7 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। 72 वर्षों के तप और साधना से तपस्या का चरमोत्कर्ष छूने वाली माताजी का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। 1953 में श्री महावीरजी क्षेत्र से क्षुलिका दीक्षा और 1956 में जयपुर जिले के माधोराजपुरा से आर्यिका दीक्षा लेकर ज्ञानमती नाम प्राप्त करने वाली यह महान साध्वी जैन समाज ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण संत समाज में अपनी अद्वितीय पहचान रखती हैं।

राजस्थान से जुड़ा तप-साधना का प्रारंभ

गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माताजी का त्याग और साधना का प्रारंभ राजस्थान से ही हुआ। श्री महावीरजी, जयपुर, ब्यावर, अजमेर,

सीकर, सुजानगढ़ और टोंक जैसे नगरों में उनके शुरूआती ग्यारह चातुर्मास संपन्न हुए।

साहित्य और आध्यात्मिक योगदान

ज्ञानमती माताजी को जैन साहित्य और धर्मग्रंथों का गहन अध्ययन व लेखन करने वाली पहली आर्यिका माना जाता है। उन्होंने 'न्याय-अष्टसहस्री' सहित 450 से अधिक ग्रंथों और प्रकाशनों की रचना/अनुवाद किया। षट्खंडागम सहित अनेक जैन शास्त्रों पर उनकी संस्कृत टीकाएँ विद्वानों के बीच मान्य हैं। साहित्य क्षेत्र में योगदान के लिए 1955 में उन्हें अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

भव्य मंदिर निर्माण की प्रेरणा

उनकी प्रेरणा से हस्तिनापुर में जम्बूद्वीप और अयोध्या मंदिर, महाराष्ट्र के मांगी-तुंगी में 108 फीट ऊँची भगवान ऋषभनाथ की प्रतिमा (विश्व की सबसे ऊँची जैन प्रतिमा) तथा कई अन्य मंदिर बने।

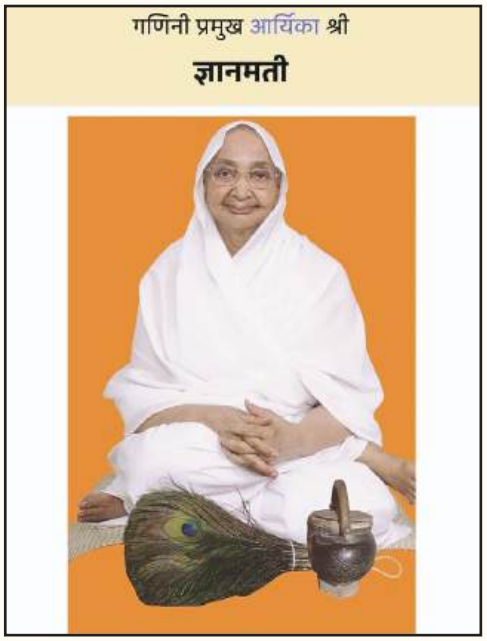

समाज में प्रभाव

ज्ञान, तप और त्याग की त्रिवेणी माताजी ने न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज को प्रेरणा दी है। उन्होंने दिगंबर जैन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्मोग्राफिक रिसर्च की स्थापना कर ब्रह्मांड विज्ञान की समझ को सरल बनाने का प्रयास भी किया। ऐसी विभूतियों की जीवन यात्रा स्वयं एक प्रेरणास्रोत है। शरद पूर्णिमा के इस पावन पर्व पर माताजी के चरणों में विनम्र नमन।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी-ज्योतिनगर, जयपुर

दूसरों की कमियां गिनाना आसान है, पर उन्हें समझना और संभालना महानता है: सर्वार्थ सागर जी महाराज

विरागोदय तीर्थ पथरिया (म.प्र). शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी ससंघ का चातुर्मास विरागोदय तीर्थ पथरिया में शुरू हैं। विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थ सागर महाराज जी की परम भक्त रांची की मनाली पाटणी दिदी ने अवगत कराया की पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्य विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थ सागर महाराज जी ने विरागोदय तीर्थ पथरिया में अपने प्रवचन में कहा कि कमियां गिनाने वाला कौन है? हम अक्सर देखते हैं कि कुछ लोग दूसरों की कमियाँ गिनाने में बहुत आगे रहते हैं। किसी की भाषा, व्यवहार, चाल-ढाल, या जीवन की कठिनाइयों को उजागर करना उन्हें एक तरह की उपलब्धि लगती है। पर क्या इससे सामने वाले की छवि सच में खराब होती है? क्योंकि एक सच्चे और समझदार व्यक्ति की पहचान उसकी कमियों से नहीं, बल्कि उसके संघर्ष, उसके इरादों और उसकी ईमानदारी से होती है। जो इंसान केवल कमियाँ गिनाता है, वह दरअसल अपने भीतर की नकारात्मकता को बाहर निकाल रहा होता है। दूसरों की बुराइयां गिनाने से न तो हम श्रेष्ठ बनते हैं, और न ही कोई सुधार होता है।

बल्कि हम यह दिखा देते हैं कि हमारे पास न अपनापन है, न सहानुभूति, और न ही समझ। याद रखिए – दूसरों की कमियाँ गिनाना आसान है, पर उन्हें समझना और संभालना महानता है। इसलिए यदि हमें किसी की गलती भी दिखे, तो उसे सुधारने का प्रयास करें, न कि उसे सार्वजनिक करने का क्योंकि किसी की छवि गिराने में नहीं, बल्कि उसे उठाने में ही असली इंसानियत है।

विशुद्ध परमभक्त अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर

JSG
Jain Social Groups
Int. Federation
Grow more to Serve more
Group No. 154
ISO 20121:2012
23वां
JKJ
JEWELLERS
दीपोत्सव
डांडिया 2025
रविवार,
5 अक्टूबर 2025
स्थान -
महावीर स्कूल प्रांगण
महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
दीपोत्सव डांडिया उद्घाटन - सायं 6.00 बजे
दीप प्रज्जवलन - सायं 6.15 बजे
1008 दीपकों से महाआरती - सायं 6.30 बजे
डांडिया - सायं 7.00 बजे से
हाऊजी - रात्रि 10.00 बजे
पुरस्कार एवं समापन - रात्रि 10.30 बजे
उद्घाटनकर्ता:
मुख्य अतिथि:
समारोह अध्यक्ष:
समारोह गौरव
डांडिया रिंग उद्घाटनकर्ता:
सम्मानीय अतिथि
दीपप्रज्जवलनकर्ता:
श्री जतिन मौसून
जेकेजे ज्वैलर्स
श्री प्रमोद पहाड़िया
एआरएल ग्रुप
श्री उत्तम कुमार पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी
एड्. रमेश चन्द जैन
(कांमा वाले) प्रमुख समाज सेवी
श्री नरेश यादव
चार्ट ग्रुप
श्री उमरावमल संघी
प्रमुख समाज सेवी
श्री आर.के. कासलीवाल
प्रमुख समाज सेवी
श्री सुनील जैन पहाड़िया
वर्धमान ग्रुप
डांडिया स्टिक - कार्यक्रम स्थल पर सशुल्क उपलब्ध रहेगी। प्रवेश - कार्यक्रम में प्रवेश कार्ड के साथ संलग्न प्रवेश-पत्र से ही होगा।
कार्ड 2 बड़े एवं बच्चों के लिए मान्य है व प्रवेश के लिए महिला सदस्या का होना आवश्यक है। प्रवेशाधिकार संयोजकों के पास सुरक्षित है।

25+ Years of Trust
LET'S BUILD
A BETTER
TOMORROW!
ARL
अंकुर
AEROTUFF
अंकुर
SPECTA
https://www.facebook.com/ARLinfratech
https://www.youtube.com/c/ARLinfratechltd
www.arlinfratech.com
CHART GROUP
Jai SAGAR CITY
Kings Residency
Bringing your dreams home...
Balaji ENCLAVE
Many More is Awaited......

शुद्ध पानी पीने के लिए संगिनी मेट्रो ने जन हितार्थ लगाया वाटर कूलर

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की ओर से महावीर नगर के अहिंसा पथ स्थित श्री महावीर साधना संस्थान भवन में आगन्तुकों को शुद्ध एव शीतल पानी पीने के लिए जन हितार्थ वाटर कूलर लगाया गया। संगिनी मेट्रो अध्यक्ष रेखा पाटनी एवं सचिव दीपा गोधा ने बताया कि इस मौके आयोजित लोकार्पण समारोह में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की पूर्व अध्यक्ष समाजसेविका मैना गंगवाल एवं युवा समाजसेविका निधि-अमित गोधा ने लाल रिबन खोलकर वाटर कूलर का लोकार्पण किया। इस मौके पर जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' गौरवमयी अतिथि के रूप में शामिल हुए। संगिनी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं निवर्तमान अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने बताया कि वाटर कूलर के लोकार्पण से पूर्व ऊपर मंदिर जी में भगवान पदमप्रभू के सामूहिक दर्शन पश्चात आरती की गई। तीन बार विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक रूप से उच्चारण किया गया। संगिनी मेट्रो की ओर से अतिथियों एवं लोकार्पण कर्ता मैना गंगवाल, निधि - अमित गोधा, अक्षिता गंगवाल का सम्मान किया गया। इस मौके पर समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा,युवा समाजसेविका निधि गोधा, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा,अध्यक्ष रेखा पाटनी, निवर्तमान अध्यक्ष अम्बिका सेठी, पूर्व अध्यक्ष मैना गंगवाल, सचिव दीपा गोधा कोषाध्यक्ष निशा गंगवाल, सुनिता जैन, ऊषा जैन,अक्षिता गंगवाल, सुरेन्द्र शाह, प्रवीण छाबड़ा सहित कई लोग शामिल हुए।गौरवमयी अतिथि विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में कहा कि जरुरतमंदों की सेवा करने में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो हमेशा से ही अग्रणी रही है।उन्होंने लगातार सेवा कार्य करने के लिए संगिनी मेट्रो की सभी पदाधिकारियों की प्रशंसा करते हुए साधुवाद दिया। जैन ने कहा कि सेवा कार्य करने एवं सेवा कार्यों में सहभागिता निभाने में उन्हें आनन्द की अनुभूति होती है। इस मौके पर मैना गंगवाल एवं निधि गोधा ने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी वे संगिनी मेट्रो के माध्यम से सेवा कार्यों में सहयोग देती रहेगी। सचिव दीपा गोधा ने आभार व्यक्त किया।

दीपिका जैन कोटखावदा: संस्थापक अध्यक्ष

सेवा ही परमो धर्म : मधु पाटनी

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर पंचशील नगर में आज वार्षिक कलशाभेषक का कार्यक्रम वीरेंद्र कुमार जैन की अध्यक्षता एवं मंत्री सुनील कुमार सोगानी के संयोजन में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की अध्यक्ष मधु पाटनी का बहुत ही भव्यता से सम्मान करते हुए श्री दिगंबर जैन समिति पंचशील नगर की अध्यक्ष नवल छाबड़ा ने कहा कि यह अजमेर ही नहीं वरन संपूर्ण राजस्थान के जैन समाज के लिए गौरव की बात है कि मधु पाटनी के नेतृत्व में धार्मिक कार्यक्रम के साथ रिकॉर्ड सामाजिक सरोकार के कार्य बहुत ही सहजता से संपन्न हो रहे है। मंत्री भावना बाकलीवाल ने कहा कि मधु पाटनी सभी महिला सदस्याओं पर भरोसा करके कार्यों को सम्पादित करवा रही है इसीलिए महिला राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर पुंगव मुनि श्री सुधा सागर जी महा मुनिराज के सानिध्य में समिति के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने मधु पाटनी को नारी गौरव का सर्वोच्च पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मधु पाटनी ने इस अवसर पर कहा कि सेवा ही परमोधर्म की भावना बहाते हुए कार्य करना चाहिए जिससे हम समाज के साथ अन्य अन्य वर्ग को लाभान्वित कर सके। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी एवं महामंत्री कमल गंगवाल का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर पंचशील नगर महिला मंडल की संरक्षक मधु भैंसा,इकाई अध्यक्ष प्रीति गदिया मंत्री श्वेता छाबड़ा नीलू पाटोदी सहित इकाई की सदस्याएं पंचशील नगर जैन समाज एवं अजमेर के हर वर्ग के कई जैन धर्मावलंबी मौजूद रहे।

मनुष्य जीवन को सार्थक करें: मुनि श्री आदित्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के वैशाली नगर स्थित नेमीसागर कोलोनी में जैनाचार्य विशुद्व सागर महाराज के शिष्य श्रुत संवेगी श्री आदित्य सागर महाराज ने धर्म सभा में कहा कि संसार में अनेक प्राणि जन्म लेते हे, लेकिन हमें अपने जीवन को सार्थक करना चाहिए। साथ ही उन्होंने गुरु शिष्य और पिता पुत्र के सम्बंधो पर भी प्रकाश डाला। इन दिनो मुनिसंघ का प्रवास नेमीसागर कालोनी में चल रहा है। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि मुनिसंघ का दिनांक 3 अक्टुबर तक नेमीसागर कोलोनी में प्रवास रहेगा साथ ही दो अक्टुबर को अर्न्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर महामहिम राज्यपाल महोदय की गरिमामय उपस्थिति में एक सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जावेगा, जिसमें सभी धर्मो के धर्मगुरू उपस्थित होकर अहिंसा पर व्याख्यान देंगे। आज मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य विकास जैन मुंशीमहल वाले, दीप प्रज्जवल श्रीमती मंजु सेठी, शास्त्र भेट का सौभाग्य प्रदीप अर्चना निगोतिया को प्राप्त हुआ। सायंकालीन आरती नेमीसागर कालोनी की महिलाओ द्वारा की गई। धर्मसभा में बडी संख्या में स्थानीय एवं बाहर से आये हुए श्रद्धालु उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्रीमती कमला देवी झांझरी के जन्मदिवस पर श्री आदिनाथ स्वास्थ्य निधि आश्रम में रुपए 125000/ का सहयोग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 2 अक्टूबर को श्रीमती कमला देवी जी धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी जी धर्मपत्नी स्व. श्री रत्न लाल जी झांझरी के 91वें जन्मदिवस पर उनके पुत्र-पुत्रवधुओं विनोद - श्रीमती अनीता, विजय - श्रीमती सूर्या , विपिन - श्रीमती निधि झांझरी परिवार ने समाज सेवा हेतु जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति द्वारा संचालित श्री आदिनाथ स्वास्थ्य निधि आश्रम में सहयोग हेतु संरक्षक बनकर 125000/रुपए (एक लाख पच्चीस हजार) प्रदान किये है। वृद्धाश्रम की अध्यक्ष डॉ शीला जैन व मंत्री पुष्पा सोगानी ने बताया कि आपके अमूल्य सहयोग से वृद्धाश्रम को सदैव संचालित करने में सहयोग रहेगा,आप जैसे दानवीरों की वजह से ही सामाजिक कार्य संचालित हो पाते हैं।आज कमला देवी जी के जन्मदिन पर महिला समिति के सभी सदस्यों की ओर से बहुत प्यार भरी शुभकामनाएं, ईश्वर आपको दिघार्यु करें, एवं आपके पुत्र-पुत्रवधुओं ने वृद्धाश्रम में सहयोग दिया उसके लिये पूरे परिवार को बहुत-बहुत धन्यवाद।

मां जगदम्बे के दरबार में बही भजनों की रसगंगा, झूमें श्रोता

लक्ष्मणगढ़, सीकर. शाबाश इंडिया

शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ से ही संपूर्ण कस्बा भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ हैं। वही कस्बें में अलग-अलग स्थानों पर दुर्गा पूजा महोत्सवों का आयोजन किया जा रहा हैं।इसी बीच कस्बें के सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद चेजारा के निवास स्थान पर मां भगवती की पूर्ण श्रद्धा के साथ विशेष पूजा अर्चना एवं आराधना की जा रही हैं। यह आयोजन निरंतर आठ वर्षों से जारी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ताराचंद चेजारा के निवास स्थान पर सप्तमी के दिन भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में भजन गायक ताराचंद चेजारा व हरीश शर्मा के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की शानदार प्रस्तुति से माँ भगवती को रिझाया गया। भजन संध्या की विधिवत शुरूआत माँ भगवती जी के दुर्गा चालीसा पाठ व भगवान गणपति जी को मनाकर की गई। इसके तत्पश्चात अगली कड़ी में माँ अम्बे की मूल भवानी शरणा तेरा हैं, कीर्तन की हैं रात बाबा आज थान आनो हैं, देना हो तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ, मनड़ा रे जे तू बालाजी न ध्याव कष्ट तेरा सगला कट ज्याव, सत्यम शिवम सुंदरम, धरती धोरा जी जैसे शानदार प्रस्तुति के माध्यम से वातावरण आनंदमय हो गया। कार्यक्रम में अंकित खाटूवाला के द्वारा भी भजनों की प्रस्तुति दी गई।

पंचकल्याणक आयोजन के लिये मुनि श्री से लिया मंगल आशीर्वाद

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

औरंगावाद, महाराष्ट्र। निकटवर्ति लार मे होने वाले नवनिर्मित मनस्तम्भ का श्रीमज्जिनेन्द्र जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं रथोत्सव परम पूज्य पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज ससंघ के मंगल पावन सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्र.जय निशान्त के कुशल निर्देशन मे आगामी 28 मार्च से 02 अप्रैल तक दिगंबर जैन मंदिर लार मे आयोजित होगा। इस आयोजन के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के प्रतिनिधि मंडल ने औरंगाबाद(महाराष्ट्र) मे विराजमान उपाध्याय श्री 108 विरंजन सागर महाराज एवं मुनि श्री विसौम्य सागर महाराज के चरणों मे श्री फल समर्पित कर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के सफल और निर्विघ्न आयोजन के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया।प्रचार मंत्री मुकेश जैन ने बताया मुनि श्री ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सफल एवं भव्यतापूर्वक सम्पन्न होने के लिये मंगल आशीर्वाद देते हुये कहा यह आयोजन बड़ा ही भव्यतापूर्वक ऐतिहासिक होगा क्योकि वहा पर गुरुदेव श्री विशुद्ध सागर महाराज ससंघ साक्षात विराजमान रहेंगे। इस मौके सुधीर जैन, अशोक डूडा, सोनू ककरवाहा, अलोक बंडा, विवेक डूडा, अनुज डूडा, चित्रलेखा जैन, हेमलता डूडा मौजूद रहे।

पारिवारिक दायित्व

मनुष्य का जीवन केवल स्वयं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपने परिवार, समाज और राष्ट्र से गहराई से जुड़ा हुआ है। परिवार प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की पहली पाठशाला है, जहाँ उसे संस्कार, अनुशासन, प्रेम और सहयोग का ज्ञान मिलता है। इसलिए परिवारिक दायित्व निभाना प्रत्येक व्यक्ति का प्रमुख कर्तव्य है।

1. माता-पिता के प्रति दायित्व

माता-पिता हमारे जीवन के सृजनकर्ता और पालनकर्ता हैं। उनका ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता, परन्तु उनकी सेवा, सम्मान और आज्ञा का पालन करके हम उनके प्रति अपने कर्तव्य निभा सकते हैं। वृद्धावस्था में उन्हें सहारा देना और उनके साथ समय बिताना सबसे बड़ा दायित्व है।

2. संतान के प्रति दायित्व

संतान ईश्वर का अनमोल उपहार है। माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार, उत्तम शिक्षा और स्वस्थ वातावरण प्रदान करें। केवल भौतिक सुविधाएँ ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों का बोध कराना भी उनका उत्तरदायित्व है ताकि संतान भविष्य में योग्य नागरिक बन सके।

3. जीवनसाथी के प्रति दायित्व

पति-पत्नी का संबंध परस्पर सहयोग, विश्वास और समानता पर आधारित होता है। दोनों का दायित्व है कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और सुख-दुःख में साथ निभाएँ। जीवनसाथी के प्रति निष्ठा, संवेदनशीलता और सहयोग एक स्वस्थ दाम्पत्य जीवन की नींव है।

4. बुजुर्गों के प्रति दायित्व

परिवार के बुजुर्ग अनुभव और ज्ञान के भंडार होते हैं। उनका आदर करना, उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना तथा उनसे मार्गदर्शन लेना हमारा नैतिक कर्तव्य है। बुजुर्गों की उपस्थिति से परिवार में संस्कार और परंपरा जीवित रहती है।

निष्कर्ष: परिवारिक दायित्व केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक और आध्यात्मिक कर्तव्य है। जब प्रत्येक सदस्य अपने-अपने दायित्व को निभाता है, तब परिवार में प्रेम, एकता और सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा परिवार ही आगे चलकर एक आदर्श समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है।

अनिल माथुर-जोधपुर (राजस्थान)

23वां जेकेजे दीपोत्सव डांडिया के पोस्टर का विमोचन

5 अक्टूबर को होगा महावीर स्कूल में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा आयोजित 23वाँ जेकेजे दीपोत्सव डांडिया का पोस्टर विमोचन सहकारिता एवं उड्डयन राज्य मंत्री गौतम दक के करकमलों से किया गया। यह भव्य आयोजन आगामी 5 अक्टूबर को महावीर स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में होगा।

मुख्य समन्वयक संजय जैन छाबड़ा आवा ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रवि प्रकाश जैन, अध्यक्ष सुशील कासलीवाल, उपाध्यक्ष सुनील जैन गंगवाल, सचिव विनीत पापड़ीवाल, सुनील गोधा, राजकुमार बडजात्या, प्रमोद-भारती गंगवाल, बीजेपी के वरिष्ठ कार्यकर्ता आशीष जैन, अरुण जैन सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर की 1008 दीपकों से की जाने वाली आरती से होगी। इसके पश्चात डांडिया नृत्य का रंगारंग आयोजन होगा। अध्यक्ष सुशील कसलीवाल व सचिव विनीत पापड़ीवाल ने जानकारी दी कि डांडिया कार्यक्रम में बेस्ट कपल डांडिया ड्रेस, बेस्ट परफॉर्मेंस, बेस्ट मेल-फीमेल डांस जैसी विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम से पूर्व बच्चों का आकर्षक फैशन शो आयोजित किया जाएगा जिसमें छोटे-छोटे प्रतिभागी अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। समापन पर उपस्थितजन हाऊजी का आनंद भी लेंगे।

प्रेषक सुनील जैन गंगवाल
उपाध्यक्ष, प्रवक्ता-जेएसजी महानगर

सेवानिवृत्ति आमेटा मेम ने आसना स्कूल में लगवाए एक लाख रुपये के ब्लॉक

आसना. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हुई। श्रीमती पुष्पा आमेटा मेम ने प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन की प्रेरणा से एक लाख रुपये के प्रार्थना स्थल पर ब्लॉक ईंटे लगवाई। भामाशाह के रूप में व सेवानिवृत्ति के शुभ अवसर विद्यालय परिवार द्वारा तिलक उपनना, साड़ी, अभिनंदन पत्र मोमेंटो , तांबे का कलश देकर स्वागत व अभिनंदन किया साथ ही गांधी व शास्त्री जंयति भी मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद शास्त्री ने की। मुख्यातिधि सेवानिवृत्त हो रही श्रीमती पुष्पा आमेटा ,विशिष्ट अतिथि नरपत प्राध्यापक थे। इस अवसर आमेटा मेम के परिवार जन व समस्त स्टाफ सदस्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ब्रह्मानन्द सागर संस्कार शिविर समारोह एवं पाठशाला अधिवेशन संपन्न

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में आयोजित उपाध्याय 108 श्री विकसंत सागर महाराज के सानिध्य में बाल संस्कार शिविर एवं पाठशाला अधिवेशन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में चातुर्मास कर रहे उपाध्याय संघ के उपाध्याय 108 श्री विकसंत सागर महाराज के 40वां अवतरण दिवस पर व भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म जयंती स्वतन्त्रता के लिए अहिंसक संघर्ष का नेतृत्व के अवसर पर 2 अक्टुबर से 12 अक्टूबर तक 12 दिवसीय कार्यक्रम मांगलिक भवन में आयोजित होंगे। 2 अक्टूबर को बाल संस्कार शिविर समारोह व पाठशाला अधिवेशन का आयोजन किया गया। 3 अक्टूबर को महिला सेमिनार कैसे लगाये गुरूवर का चौका, 4 अक्टूबर को क्या क्या ध्यान रखें अशुद्धि के समय, 5 अक्टूबर को बाल मैला भारतीय भोजन से सीधा सम्पर्क, 6 अक्टूबर को विचित्र वेशभूषा, 7 अक्टूबर को पार्श्वनाथ की महिमा नाटिका, 8 अक्टूबर को दांडिया रास प्रतियोगिता, 9 अक्टूबर को आओ याद करें बचपन, 10 अक्टूबर को म्युजिकल जैन तम्बोला, 11अक्टूबर को सामुहिक गुरू भक्ति, 12 अक्टूबर रविवार को उपाध्याय संघ की भव्य पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 उपाध्याय विकसंत सागर महाराज का 40वां अवतरण दिवस महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरूवार को पाठशाला अधिवेशन में ब्रम्हानंद सागर पाठशाला के बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी गई व पाठशाला में पढ़ाने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया। चातुर्मास कमेटी की और से पाठशाला के सभी बच्चों को भोजन कराया गया व चातुर्मास समिति के अध्यक्ष बबलू चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति बाल ब्रह्मचारी देशना दींदी के कुशल नेतृत्व में संगीतकार अभिनन्दन प्रेमी के द्वारा तैयार किया गया। नयापुरा के जैन लाल मन्दिर में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान के छठे दिन विधान की पूजन के 528 अर्घ समर्पित किये गये इसका समापन 5 अक्टुबर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा।

दो दिवसीय प्रथमाचार्य 108 श्री शांति सागर शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

टोंक. शाबाश इंडिया

आज होगा जिसमें हाथी घोड़ा ऊंट बग्गिया मनमोहक झांकियां, शाही लवाजमे के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी, अवनीश भाई बने छुल्लक 105 शील सागर

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के सानिध्य में दीक्षार्थी भाई अवनीश जैन कलोल अहमदाबाद को छुल्लक दीक्षा प्रदान की गई तथा उनका नामकरण छुल्लक 105 शील सागर रखा गया। इस अवसर पर समाज बंधुओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । समाज प्रवक्ता पवन कंटान व विकास जागीरदार के आचार्य शांति सागर शताब्दी समारोह के तहत शुक्रवार को प्रातः 7:00 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमे सबसे आगे चार बुलेट गाड़िया होगी, उसके बाद घोड़े, ऊंट, ढोल, लवाजमा, सरताज बैंड, हाथी, शिवम बैंड, भारत बैंड, पाठशाला के बच्चे, सेविका दल, ढोल, गरबा 30, णमोकार थीम महिलाएं, माता-पिता 50 महिलाएं, काफला महिला मंडल, आदर्श नगर महिला मंडल, हाउसिंग बोर्ड महिला मंडल, पुरानी टोंक महिला मंडल समस्त झाकियां होगी एवं मूर्ति रथ होगा उसके बाद निंबाहेड़ा बैंड, भटिंडा बैंड होगा इसके पीछे आचार्य श्री ससंघ होगा उसके पश्चात श्रीजी का रथ होगा जो कि अहिंसा सर्किल महावीर जिनालय से रवाना होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए घंटाघर, सुभाष बाजार, पांच बत्ती, काफला बाजार, नोशे मियां का पुल बड़ा, कुआं, जैन नसिया होते हुए आर एन फार्म हाउस पहुंचेगी उसके बाद वहां पर भूमि शुद्ध ध्वज वंदन आदि समस्त मांगलिक क्रियाएं होगी तत्पश्चात 10:45 बजे आचार्य ससंघ की आहार चर्या होगी ततपश्चात दोपहर 1:30 बजे इंद्र प्रतिष्ठा होगी जिसमें 125 इंद्रो द्वारा आचार्य शांति सागर मंडल विधान होगा एवं विन्यांजलि सभा होगी उसके पश्चात 7:30 बजे आरती विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें राजीव विजयवर्गीय आस्था जैन एवं देवेंद्र पंवार गायक कलाकार होंगे तथा 4 अक्टूबर को प्रातः नित्यमह अभिषेक आचार्य शांति सागर महाराज 10:00 बजे आचार्य सासंघ की आहार चर्या होगी तत्पश्चात दोपहर 1:30 बजे विन्यांजलि सभा होगी । तत्पश्चात सम्मान समारोह होगा ।

रामपुरा के तेजाजी बासक बाबा पीठ पर दशमी का भरा मेला व धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद, रामपुरा। नवरात्र की दशमी पर तेजाजी बासक बाबा पीठ रामपुरा में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। महामंडलेश्वर रमाकांत दास महाराज के सानिध्य में हवन, विशेष पूजा-अर्चना व महाआरती सम्पन्न हुई। पंडित रामरतन शर्मा व पंडित घनश्याम व्यास ने बताया कि नवरात्र समापन अवसर पर सुबह ब्रह्ममुहूर्त में 4:15 बजे बासक बाबा की विशेष चौकी लगी। श्रद्धालुओं के लिए कड़ा चौकी, कांटा व ताती का प्रसाद तैयार किया गया। सुबह 7:15 बजे हवन शुरू हुआ तथा 10:15 बजे पूणार्हुति व महाआरती हुई। इसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर नौ दिनों तक चले दुर्गा सप्तशती पाठ, विशेष अनुष्ठान और देवी पूजन का समापन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर यज्ञकुंड की परिक्रमा लगाई तथा यज्ञ की भभूति और चरणामृत ग्रहण किया। समिति अध्यक्ष चतर सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष गोवर्धन सिंह राठौड़ कोषाध्यक्ष कृष्ण गोपाल अग्रवाल, व्यवस्थापक मोहन लाल शर्मा, गोपाल लाल मारवाड़ा पुजारी रतन वैष्णव, कालू शर्मा, किशन शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, घनश्याम वैष्णव, मनसुख शर्मा, मंगल प्रजापति, पवन शर्मा। पप्पू प्रजापति सहित भंडारा व्यवस्थापक सत्यनारायण सोनी, यात्री व्यवस्थापक रतनलाल फौजी, समिति के सदस्य सौरभ सेन, ओम प्रकाश चौहान, गोविंद भाटी, परमेश्वर शर्मा युवराज तिहारी व गोपाल बाजेदार ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। महामंडलेश्वर रमाकांत दास महाराज ने श्रृद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए विजयदशमी का महत्व बताया और सभी के जीवन में धर्म, सत्य और सद्भावना के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में सहस्रनाम विधान सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी दुगार्पुरा में आज 105 गणनी आर्यिका सरस्वती माताजी, अनन्तमति माताजी (जिनकी आज 25वीं दीक्षा तिथी थी) एवं महोत्सव मति माताजी के सानिध्य में श्रावकों ने सहस्रनाम विधान किया।अन्य श्रावक-श्राविकाओं के अलावा इसके लिए 10जोडों ने विशेष पूजा अर्चना,अभिषेक एवं शान्तिधारा आदि में भाग लिया।जिनमें डां एम एल जैन मणि-डां शान्ति जैन मणि, प्रकाश -प्रेमजी निमोडिया, प्रकाश चन्द्र-मनोरमा देवी चांदवाड, सुनिल-मायाजी संघई,अशोकजी-उर्मिला कासलीवाल,नरेश-श्वेता निमोडिया,रवि एवं मुन्ना गोधा,मनोज एवंश्रीमति पहाडीवाली,काला परिवार एवं नमन जैन आदि। सबसे पहले सरस्वमति माताजी ने भगवान पार्श्वनाथ की मूर्तीपर अभिषेक व शान्तिधारा कराई। शान्तिधारा में पंचामृत काम आया जिसमें अनार, मौसमी, आम, केला, नारियल, शक्कर, घी, दूध, दही, सर्वओषधि, फूल, केशर आदि के मंत्रों से शान्तिधारा कराई व बाद में महाराजों, माताजी के अर्ग चढाये व आरती की। इसके पश्चात विधान प्रारंभ हुआ। विधान में एक-एक विशेष इन्द्र से 100-100 अर्घ का अनन्तमति माताजी ने उच्चारित किया तथा इन्द्रों ने शान्तिधारा की व इन्द्राणियों ने अर्घ चढाये।इस प्रकार सभी विशेष इन्द्र-इन्द्राणियों ने बारी बारी से अर्ग चढ़ाये।

अहिंसा से ही विश्व शान्ति सम्भवः मुनिश्री आदित्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने आज नेमीसागर कालोनी में कहा कि विश्व शान्ति का एकमात्र मार्ग अहिंसा ही है। मुनिश्री आज यहां आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन में बोल रहे थे। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर आज सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें अनेक धर्मगुरुओ ने अहिंसा पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में जैन धर्म गुरु देवेन्द्र ब्रह्मचारी, धमार्चार्य अतीत जी, डा.इमाम उम्र अहमद इलियास, मुख्य इमाम दिल्ली, परमजीत सिंह चंडोक, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी, आचार्य येशी फुंसी, तिब्बत, डा.जॉन मैथ्यू, अध्यक्ष क्रिश्चियन फैलोशिप एवं राजयोगिनी चन्द्रकला दीदी उपस्थित रहे। सभी धर्मगुरुओ ने अहिंसा दया और करुणा को सभी धर्मो का मूल बताया। स्वागत उद्बोधन जेके जैन कालाडेरा ने एवं अनिल जैन धुआं वाले द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मंच संचालन इंदौर के अनुराग जैन ने किया। आज की प्रातःकालीन सभा में दीप प्रज्जवलन सुभाष बगडा परिवार, पाद प्रक्षालन राजेश गंगवार परिवार, शास्त्र भेट केलाश चंद जैन परिवार एवं आरती धुआं वाला परिवार द्वारा की गई।

स्वच्छता दिवस बड़े उत्साह और संकल्प के साथ मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। आज जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज में स्वच्छता दिवस बड़े उत्साह और संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ अनिल सामरिया प्रिंसिपल और कंट्रोलर ने संदेश दिया कि स्वच्छता केवल हमारे आसपास की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, अनुशासन और जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य महोदय एवं वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा किया गया। इसके बाद चिकित्सकों नर्सिंग कर्मी और कर्मचारियों को डॉ अरविंद खरे अधीक्षक ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की और नारे के माध्यम से ''स्वच्छ परिसर'' स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी ने प्रतिज्ञा की कि वे स्वयं स्वच्छ रहेंगे, दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करेंगे और अपने कॉलेज एवं अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखेंगे। अस्पताल परिसर को धूम्र पान एवम प्लास्टिक मुक्त बनाने का कार्य भी किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ श्याम भूतड़ा और डॉ हेमेश्वर अथिरिक्त प्रिंसिपल ने स्वच्छ भारत मिशन का महत्व बताया। इस कार्यक्रम में फैकल्टी मेंबर और नर्सिंग अधीक्षक ने अस्पताल परिसर में सफाई की।

श्री शांति वीर जैन गुरुकुल स्कूल में नवरात्रि गरबा उत्सव धूमधाम से मनाया गया

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर। श्री शांति वीर जैन गुरुकुल स्कूल प्रांगण में ' नवरात्रि उत्सव हर्षोल्लास एवं पारंपरिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हेंझमुन्नें छात्रझछात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, गरबा एवं भक्ति गीत प्रमुख रहे। बच्चों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में ऋषभ महिला मंडल की बहनों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की गरिमा में चार चाँद लगाए।समिति के पदाधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा पधारे हुए अतिथियों, अभिभावकों तथा समाजजनों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही मंच पर बच्चों को भी पारंपरिक परिधान एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों हेतु सम्मानित किया गया जिससे उनका आत्मविश्वास और उत्साह और अधिक बढ़ा विद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों में संस्कार, संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूकता जगाने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

प्रताप नगर विकास समिति के तत्वावधान में देश में पहली बार हुआ 51 फिट ऊचें गोकाष्ठ रावण का दहन

दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश। लगभग 1 लाख लोगों की उपस्थिति में गूंजे जय श्री राम के नारे

बुधवार को निकली विजय उत्सव रैली, हुआ कवि सम्मेलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रतापनगर विकास समिति के तत्वावधान में प्रतापनगर में आयोजित दो दिवसीय दशहरा मेले में गुरुवार, 2 अक्टूबर को सायंकाल 51 फीट ऊचें रावण ने खून के आंसू पीये। इस मौके पर प्रतापनगर विकास समिति के तत्वावधान में देश में पहली बार गोकाष्ट से निर्मित 51 फीट ऊंचे रावण का दहन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि गुरुवार को लगभग एक लाख की संख्या में उपस्थित जन समूह जिसमें कई गणमान्य लोग तथा राजनेता भी शामिल थे, की उपस्थिति में देश में पहली बार 51 फीट ऊचां गो काष्ठ /गोमय समिधा से बना हुआ रावण का दहन किया गया । इसका निर्माण गौ सेवा समिति द्वारा विशेष रुप से करवाया गया था । इस बार मेले के माध्यम से 3 वर्ल्ड रिकार्ड - इंडिया बुक आफ रिकार्ड, एशिया बुक आफ रिकार्ड तथा गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड भी बनाए गए। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया के मुताबिक सायंकाल 6 बजे से मेले में रंगारंग ऑर्केस्ट्रा संगीतमय धुने बजा रहे थे। जिन पर उपस्थित दर्शक मस्ती में झूम रहे थे। बच्चे एवं महिलाओं की झूलों का आनन्द लेने के लिए लम्बी कतार लगी हुई थी। खानपान की स्टालों पर लोगो का हुजुम उमड़ रहा था। संगीत, झूले तथा खानपान की स्टालों से लोगों का मनोरंजन चरम सीमा पर था । मेले में माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा, जयपुर शहर सासंद श्रीमति मंजू शर्मा, मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, जवाहर सिंह बेढम,पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, सतीश पूनिया सहित कई राजनेताओं की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। समारोह की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी कमल सचेती ने की। सन्तोष खण्डेलवाल कामां वाले मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में शांति कुमार - ममता सोगानी जापान वाले थे। समारोह का दीप प्रज्जवलन युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वालों ने किया। गौरवमयी अतिथि के रूप में राकेश जैन टंकी वाले, सुनील जैन मंगल विहार, यूथ आईकोन अतुल मंगल, विकास अग्रवाल प्रतापनगर उपस्थित रहे। साथ में कई विधायकों एवं पार्षदों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस मौके पर प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल जैन बनेठा को दानवीर भामाशाह जन कल्याण रत्न एवं गायक राजीव विजयवर्गीय को विकास समिति की ओर से संगीत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। विकास समिति के महासचिव ओम प्रकाश बाहेती, मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया, सह संयोजक योजन शर्मा, कवि सम्मेलन के संयोजक गुलाब कौरानी एवं सह संयोजक मनोज खण्डेलवाल सहित विकास समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कवि सम्मेलन में उमड़ी भीड़, दिखा राष्ट्र भक्ति का जज्बा

विकास समिति के महासचिव ओम प्रकाश बाहेती बताया कि इससे पूर्व मेले के तहत बुधवार को सायंकाल 4 बजे विजय उत्सव रैली निकाली गई। प्रमुख रास्तों से निकाली गई इस रैली में भगवा ध्वज लहराते हुए पचास से अधिक चौपहिया वाहन एवं दुपहिया वाहन शामिल हुए। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सायंकाल 7 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें प्रमुख कवि अब्दुल अय्यूब, गिरिराज अमेठा, शहनाज हिन्दुस्तानी, कुशल कुशलेंद्र, मोहन सिंह, सुश्री मीनू शर्मा, प्रहलाद चांडक एवं महेश डागर ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रोताओं का समसामयिक विषयों पर

काव्य पाठ कर मनोरंजन किया एवं युवाओं को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया। कवि सम्मेलन के संयोजक गुलाब कौरानी एवं सह संयोजक मनोज खण्डेलवाल ने बताया कि वीर रस, श्रृंगार रस, हास्य रस एवं गजलों की प्रस्तुति कवियों द्वारा की गई। कवियों की ऑपरेशन सिंदूर पर सुनाई गई कविता ने श्रोताओं को जोश से भर दिया। कवि सम्मेलन में हजारों लोग सम्मिलित हुए। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवी प्रमोद पहाडियाँ समारोह अध्यक्ष थे। युवा समाजसेवी मोहित राणा मुख्य अतिथि थे। समाजसेवी अमित गोधा विशिष्ट अतिथि थे। समारोह का दीप प्रज्जवलन विप्र फाऊँडेशन के प्रदेशाध्यक्ष कर्नल राजेश शर्मा ने किया । समाजसेवी लाल चन्द कठमाणा, विवेक सेठी, दीपक जैन, प्रवीण बडजात्या, अरुण जैन, अनुराग सारडा गौरवमयी अतिथि तथा राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, श्योपुर जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी, समाजसेवी देवेन्द्र बाकलीवाल, आशीष वैद सिरोली आदि सम्माननीय अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कवि सम्मेलन में जयपुर शहर सासंद मंजू शर्मा ने सहभागिता निभाकर सभी कवियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

मंच संचालन चेतन जैन निमोडिया एवं गुलाब कौरानी ने किया।

चेतन जैन निमोडिया
मुख्य संयोजक-दशहरा मेला

"54 लाख का पैकेज छोड़, 24 वर्षीय इंजीनियर ने अपनाया वैराग्य" आंसुओं से भीग उठा

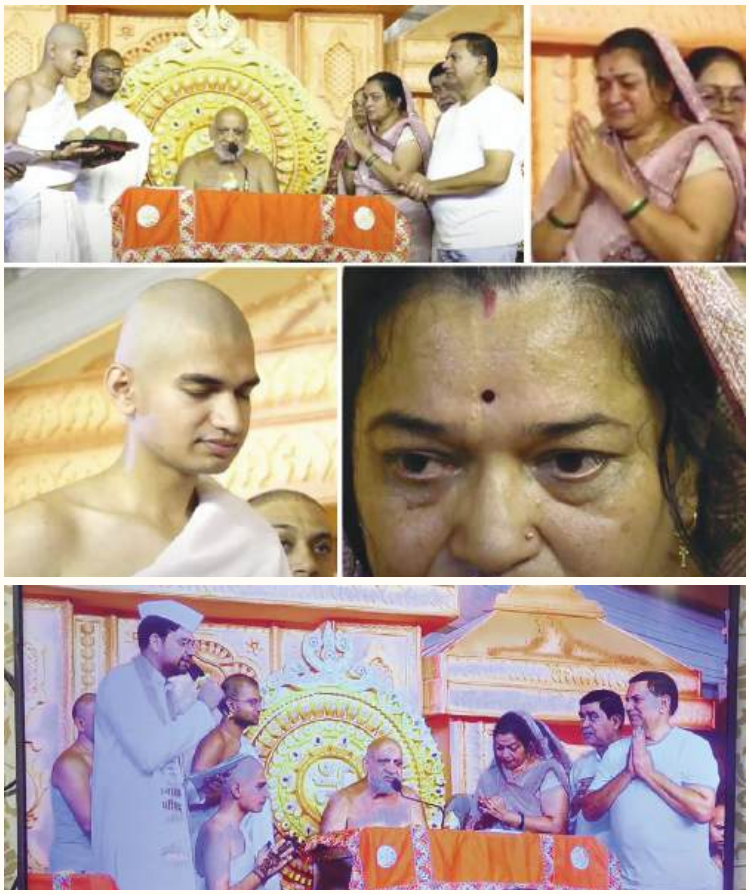

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

अशोकनगर का सुभाषगंज आज शाम एक ऐसे भावुक दृश्य का साक्षी बना जिसे शब्दों में पिरोना आसान नहीं है। विशाल पांडाल में बैठे हजारों लोग उस क्षण को देखकर अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख पाए, जब 24 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर पीयुष जैन ने संसार के मोह-माया, आकर्षण और भविष्य की सुनहरी राह छोड़कर वैराग्य का वरण किया। पीयुष पुणे की एक प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत थे, जहां उन्हें 54 लाख रुपए का पैकेज मिला था। मां-पिता ने बड़े अरमानों से उनका भविष्य संजोया था। मां श्रीमती सीमा जैन बेटे के विवाह के अरमान संजोए थीं। लेकिन जब पीयुष ने फोन कर कहा-मां, मैं अब आपके सामने आपका बेटा नहीं, बल्कि श्रमण जीवन के पथिक के रूप में खड़ा रहूंगा तो मां का कलेजा चीर गया। पिता श्री संजीव जैन भी अश्रुधारा रोक न पाए। मां की आंखों से बहते आंसू जैसे एक-एक श्रोता के दिल में उतर रहे थे। महिलाओं का रुदन उस क्षण को और अधिक मार्मिक बना रहा था-जैसे उनके अपने घर का लाल बिदा हो रहा हो। विदुषी युवतियां भाई को विदा करती बहनों की तरह सिसक रही थीं, और युवक भी अपने आंसुओं को छिपा नहीं सके। पूरा पांडाल संवेदना और श्रद्धा से भीग उठा। मुनिश्री ने कहा कि मां के यह आंसु एक दिन खुशी के आंसु बन जाएंगे। उस क्षण, जब पीयुष ने संघ में प्रवेश किया, श्रमण शिरोमणि, निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा-मैंने इस बालक को बहुत डराया था। कहा था कि मोक्ष का मार्ग आसान नहीं है, यह तलवार की धार पर चलने के समान है। लेकिन इसने पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। जब संसार के बंधन ढीले पड़ते हैं, तब ही जीव इस कठिन पथ पर बढ़ता है। आज दशहरे जैसे शुभ दिन पर इसने वैराग्य को अपनाया, यह पूरे समाज का गौरव है। अब तक संघ में 17 ब्रह्मचारी शामिल हो चुके हैं। कोई एमडी डॉक्टर रहा, कोई सीए, कोई इंजीनियर, तो कोई आर्मी का सिपाही। और अब पीयुष जिसने 54 लाख का चमकता करियर छोड़कर तप की कठिन राह चुनी। यह दृश्य केवल एक युवक का निर्णय नहीं था, यह उन असंख्य परिवारों की भावनाओं का संगम था, जो अपने बच्चों को दुनिया में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं, परंतु जब वही संतान संसार छोड़ मोक्ष की ओर कदम बढ़ा देती है, तो आंसुओं और गर्व का संगम बह निकलता है। जिज्ञासा समाधान के प्रसिद्ध कार्यक्रम के बीच इस शाम पांडाल में कोई भी ऐसा नहीं था जिसकी आंखें सूखी रह गई हों। आंसुओं की नमी में वैराग्य की महिमा और त्याग का तेज मिलकर यह संदेश दे रहा था कि ''जीवन का असली सुख त्याग में है, वैराग्य में है, और वही मार्ग अंततः आत्मा को परम शांति की ओर ले जाता है।'' इस मौके पर दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ने पीयूष भैया के माता-पिता का सम्मान किया। इन दिनों अशोकनगर में स्नातक परिषद के विद्वानों का सम्मेलन चल रहा है जिसमें 550 विद्वान शामिल हैं, सभी विद्वानों ने वैराग्य के इस क्षण की भूरी भूरी प्रशंसा की। **रवि जैन, पत्रकार @ 9926584999**

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को राशन किट एवं आर्थिक सहायता दी

जयपुर. शाबाश इंडिया

दशहरा के पावन अवसर पर मानसरोवर २.I.२ चौराहे से लेकर न्यू सांगानेर रोड पर बसेरा डाले हुए रावण के पुतले बनाने वाले कारीगर परिवारों को 2 दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश की वजह से हुए बेतहाशा नुकसान को देखते हुए प्रसिद्ध समाज सेवी श्रीमती आशा शाह मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शाह के द्वारा प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को राशन किट एवं आर्थिक सहायता प्रदान करके मानवता का वास्तविक परिचय दिया। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉक्टर महेंद्र कुमार जैन एवं ट्रस्टी रानी पाटनी ओर अनिल सोनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राजेंद्र शाह ने राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से भी सविनय निवेदन किया है कि आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे कारीगर परिवारों को किसी भी माध्यम से कुछ आर्थिक सहायता देने की कृपा करें।